राजकोट दूरदर्शन केन्द्र द्वारा निर्मित और प्रसारित किए गए कार्यक्रमों का मूल्यांकन

390. श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्लः क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने राजकोट दूरदर्शन केन्द्र द्वारा निर्मित और प्रसारित किए गए कार्यक्रमों और इस केन्द्र के प्रचालन और संचालन के संबंध में कोई समीक्षा/मूल्यांकन किया है;

(ख) यदि हां, तो आज की तारीख के अनुसार उनके क्या परिणाम निकले हैं;

(ग) उपर्युक्त अवधि के दौरान उक्त केन्द्र द्वारा अर्जित लाभ और उठायी गयी हानि का नवीनतम ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या उपर्युक्त के संदर्भ में कोई सुधार किए जाने की आवश्यकता है;

(ङ) क्या सरकार ने उक्त केन्द्र द्वारा प्रसारित किए जा रहे कार्यक्रमों की लोकप्रियता के संबंध में अब तक कोई जनसर्वेक्षण करवाया है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री सी॰ एम॰ इब्राहीम): (क) और (ख) जी, नहीं। फिर भी, यदि कोई विशेष समस्या होती है तो उस पर विचार करने के लिए केन्द्र के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आवधिक बैठकें आयोजित की जाती हैं तथा आवश्यक होने पर उपचारात्मक कार्रवाई की जाती है।

(ग) और (घ) दूरदर्शन एक लोक सेवा संगठन है तथा केन्द्र के लाभ और हानि संबंधी हिसाब-किताब रखने की इसमें कोई व्यवस्था नहीं है।

(ङ) जी, नहीं।

(च) प्रश्न नहीं उठता।

Modernisation of Indian Mints

391. DR. JAGANNATH MISHRA : Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) ; whether it is a fact that modernisation of Mints at Bombay, Calcutta and Hyderabad which were scheduled to be completed by March, 1992, have not been completed till date;

(b) if so, the reasons therefor, Mint-wise; and

(c) by when these are likely to be completed?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) to (c) With a view to achieving self-sufficiency in meeting our requirement of coins, it was decided to modernise the India Govt. Mints at Mumbai/Calcutta/Hyderabad at an estimated cost of Rs. 118.28 crores at 1986 price level. Subsequently, it was decided to coinise Rs. 2/- & Rs.5/-. The modernisation project was accordingly reviewed and approval of the Government was granted in June 1994. The project is to cost Rs.301.82 crores and is to be completed by November 1996.

The implementation of the project has not progressed fully according to the schedule as some of the executing agencies could not accomplish the assigned jobs on time. Givil works in Mumbai, Calcutta and Hyderabad Mints were delayed by civil construction agencies. The remaining works have therefore been assigned to new agencies. However, major plants & machinery have already been procured and are in process of installation and commissioning.

The equipments related to ferritic stainless steel stream are already installed and under commissioning and will become operational by March, 1997. Similarly cupro-nickel stream will also be operational by June, 1997.

Closing down of Lengthy Serials by Doordarshan

392. SHRI K. RAHMAN KHAN: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government have any proposal to close down the lengthy serials with unabated episodes;

(b) what are the criteria to give extension to a serial;